सर्व शिक्षा के पुराने कार्यों की पूर्णता एवं गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

बहुत से काम कागजों तक सीमित रहे

नवभारत न्यूज

पन्ना 08 सिंतबर। सर्व शिक्षा अभियान के तहत स्वीकृत चार साल पुराने ऐसे कार्यों को विलोपित कर दिया जायेगा जो प्रारंभ नही हो पाये अथवा जिनमें कुर्सी लेबल से कम का कार्य करवाया गया है। राज्य शिक्षा केन्द्र से जारी आदेश के अनुसार वर्ष 2019-20 के पहले के ऐसे सभी कार्यों को विलोपित कर दिया जायेगा।

इनमें ऐसे कार्य भी शामिल होंगे जो प्रारंभ नहीं हो पाये और ऐसे कार्य भी शामिल होंगे जो प्रारंभ तो हुये किन्तु उनकी प्रगति कुर्सी लेबल से अधिक नहीं हो पाई। जबकि जिन कार्यों में कुर्सी लेबल से अधिक के कार्य हुये हैं उन्हें विलोपित नहीं किया जायेगा। ऐसे कार्यों को पूर्ण करवाने के लिये फिर से कार्ययोजना तैयार होगी और उनको पूर्ण करने के लिये आवश्यक राशि उपलब्ध करवाई जायेगी। विडम्बना तो यह भी है कि निर्माण कार्यों को लेकर कहीं एजेंसी पंचायतों को बनाया गया था तो कहीं शाला प्रबंध समितियों या अन्य को बनाया गया था। जहां पंचायतों को ऐजेंसी बनाया गया वहां कई कार्यों की स्थिति चिन्ताजनक है। क्योंकि कई पंचायतो ने प्राप्त राशि का उपयोग तो कर लिया किन्तु मौके पर कोई कार्य नहीं किया। कहीं नाममात्र की राशि ही खर्च हुई जबकि प्राप्त राशि पूरी खर्च कर दी गई। ऐसे कार्यों का मूल्यांकन भी एक मुद्दा हो सकता है।

मूल्यांकन हुआ या नहीं हुआ यह भी एक सवाल है। हालांकि मूल्यांकन करने की जिम्मेदारी विभाग के इंजीनियरों की थी। उनके द्वारा मूल्यांकन किया गया अथवा नहीं किया गया यह भी एक विषय हो सकता है। इसलिये जानकारी निर्धारित समय सीमा में तैयार हो यह संभव नहीं लगता।

कागजों में ही पूरे हुये कई निर्माण:- सर्व शिक्षा अभियान की वार्षिक कार्ययोजना तैयार होती है और बजट स्वीकृत हो जाता है। जैसे ही केन्द्र से राशि राज्य को प्राप्त होती है तो पहली प्राथमिकता यह रहती है कि उसे खर्च कैसे किया जाय। क्योंकि यदि निश्चित मात्रा में बजट खर्च नहीं होगा तो अगले साल का बजट नहीं मिलेगा। यदि कम मात्रा में बजट का उपयोग हुआ तो केन्द्र से पर्याप्त बजट नही मिलेगा। किन्तु यहां जिले में राशि जारी होने के बाद उसका सही एवं समुचित उपयोग नहीं हो पाता। खातों में बहुत सारा बजट बिना उपयोग के ही पड़ा रहता है। उसका कोई हिसाब तक नहीं हो पाता। यहां तक कि बैकों के रिकार्ड से आय एवं व्यय का हिसाब नही हो पाता। समय समय पर आडिट के नाम पर नाटक होते रहते हैं किन्तु वह भी खानापूर्ति की तरह ही होता है जब कभी सीएजी की आडिट होती है तभी संभव हो पाता है कि सर्व शिक्षा अभियान की गतिविधियों का संचालन किस तरह से मनमानी तरीके से किया जाता है। इसलिये यह बात सर्वविदित है कि चाहे वह निर्माण संबंधित मामला हो अथवा अन्य कोई गतिविधि से संबंधित कोई भी कार्य ठीक से नहीं होता।

जहां व्यय हुई राशि वहां के लिये जिम्मेदार कौन ?

जिस तरह से राज्य शिक्षा केन्द्र आदेश कर रहा है उससे लगता है कि उसे इस बात की चिन्ता नहीं है कि जिस कार्य में सरकारी धन को खर्च किया गया हो उसे केवल विलोपित करके छोड़ दिया जाय और दोषी के खिलाफकोई कार्रवाई न हो। यदि इस तरह से होगा तो आगे भी इसी तरह से सब कुछ होता रहेगा और एजेंसियां कुछ नाममात्र का कार्य दिखाकर लाखों रूपये हजम करती रहेंगी। हालांकि राज्य शिक्षा केन्द्र की ढिलाई से इतिहास में कई ऐसे खेल हो चुके हैं। कई सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया गया जिनमें कई लाख खर्च हुये। आज उन शाला भवनों की कोई याद ही नहीं होती। वे या तो खण्डहर हो चुके हैं अथवा उनमें अवैध कब्जा हो चुका है। जबकि एक समय पर जमीन को दान में लेकर शाला भवन बनाने की होड़ चल रही थी। बाद में पता चला कि शाला भवन तो बन गया किन्तु बच्चे नहीं है। पढ़ने वाले बच्चों के लगातार अभाव के चलते करोड़ों रूपये का स्थापना व्यय आ रहा था इसलिये ऐसी शालाओं को बंद कर दिया गया। जिन्हें आज तक खोलने की स्थिति नही बन पाई। इसलिये निर्माण कार्यों को लेकर राज्य शिक्षा केन्द्र के तुगलकी आदेशों और जिलों में संचालित होने वाली गतिविधियों की विचित्र स्थिति है। यहां तो करोड़ों की राशि फर्जी सामग्री खरीदी में स्वाहा हो जाती है।

जेके सीमेंट की पहल से हर घर तक पहुंच रहा स्वास्थ्य जांच का संदेश

नवभारत न्यूज

पन्ना 08 सिंतबर। पन्ना। स्वास्थ्य जागरूकता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जेके सीमेंट द्वारा कोनी के वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में एनीमिया की जांच के बाद फॉलो-अप स्वास्थ्य परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

इस दौरान प्रतिभागियों के स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन किया गया तथा एनीमिया से बचाव, संतुलित पोषण और समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। जेके सीमेंट का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना ही नहीं, बल्कि हर घर में चेकअप, हर परिवार स्वस्थ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। इस पहल के माध्यम से लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, पौष्टिक आहार अपनाने तथा किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लक्षण दिखाई देने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने का संदेश दिया गया।

किसान की 2 बीघा धान की फसल बर्बाद, खेत में भरा पानी

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 08 सिंतबर। लगातार हो रही बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचने लगा है।

ग्राम बरौली निवासी किसान अमीक अहमद की करीब 2 बीघा धान की फसल बारिश के पानी में डूबने से खराब हो गई। बारिश के बाद खेत में पानी भर जाने से धान की फसल प्रभावित हुई है। खेत में कई जगह पानी जमा है और फसल पानी में डूबी हुई नजर आ रही है। किसान के अनुसार, फसल खराब होने से उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान अमीक अहमद ने प्रशासन से मांग की है कि राजस्व एवं कृषि विभाग की टीम द्वारा खेत का मौके पर पहुंचकर सर्वे कराया जाए और फसल नुकसान का आकलन कर नियमानुसार राहत एवं मुआवजा दिलाया जाए।

वहीं, लगातार बारिश से अन्य किसानों की फसल को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि समय रहते नुकसान का सर्वे कराकर उन्हें राहत दी जाए, ताकि फसल खराब होने से होने वाले आर्थिक नुकसान की कुछ भरपाई हो सके। हाल के दिनों में मध्य प्रदेश में बारिश और फसल नुकसान को लेकर किसानों की चिंता सामने आई है।

ब्लॉक स्तरीय कबड्डी स्पर्धा हुई

शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पन्ना के खेल मैदान में सोमवार को ब्लॉक स्तरीय 14 व 17 वर्ष बालक एवं बालिका वर्ग की कबड्डी खेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पन्ना ब्लॉक के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। मैदान पर पूरे दिन चले रोमांचक मुकाबलों में नन्हे-मुन्ने और युवा खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल और दांव-पेचों से हर किसी को प्रभावित किया।

सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों को लेकर आबकारी विभाग अलर्ट मोड पर

84 लीटर कच्ची शराब और 350 किलो लाहन किया जप्त

नवभारत न्यूज

पन्ना 08 सिंतबर। सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब से हुई दुखद मौतों के बाद पन्ना जिले का आबकारी विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना के आदेश पर प्रदेश भर में चलाए जा रहे अवैध शराब विरोधी अभियान के तहत पन्ना में भी बड़ी कार्रवाई की गई है।

कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी मुकेश मौर्य के मार्गदर्शन में गठित आबकारी दलों ने जिले के विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर 84 बल्क लीटर अवैध हाथभट्टी महुआ शराब और लगभग 350 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया है। जप्त की गई मदिरा और लाहन की कुल अनुमानित कीमत लगभग 50 हजार रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई की कमान सहायक जिला आबकारी अधिकारी एवं नोडल अधिकारी शंभू दयाल सिंह जाटव के हाथों में थी। पहली बड़ी कार्रवाई सलेहा थाना क्षेत्र के ग्राम गंज में की गई, जहाँ आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश पाण्डेय के नेतृत्व में टीम ने लक्ष्मण चौधरी, अजीत कोल, मधु रावत और विश्वनाथ कोल के ठिकानों पर दबिश दी। यहाँ से 60 बल्क लीटर कच्ची शराब और 240

किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर चारों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क और च के तहत मामला दर्ज किया गया। इसी क्रम में दूसरी कार्रवाई अजयगढ़ वृत्त प्रभारी विक्रांत जैन और बीरा पुलिस चौकी की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

टीम ने ग्राम सलैया से गेंदाबाई, ग्राम पड़रहा से सीताराम यादव और बीरा चौकी क्षेत्र से नत्थू रैकवार के पास से 24 बल्क लीटर अवैध शराब एवं 110 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया। इन आरोपियों पर भी आबकारी अधिनियम 1915 की संबंधित धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। अवैध शराब पर नकेल कसने के साथ-साथ आबकारी विभाग की टीम ने पिछले दो दिनों में जिले की सभी वैध शराब दुकानों का भी सघन निरीक्षण किया। अधिकारियों का मुख्य उद्देश्य यह जांचना था कि दुकानों से कहीं अमानक या मिलावटी शराब तो नहीं बेची जा रही है। राहत की बात यह रही कि गहन जांच-पड़ताल के दौरान किसी भी शराब दुकान में कोई अमानक शराब नहीं पाई गई।

धनंजय फिर बने मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के पन्ना जिला अध्यक्ष

पन्ना 08 सिंतबर। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की पन्ना जिला इकाई में संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु एक बार फिर धनंजय श्रीवास्तव को लगातार पांचवीं बार पन्ना जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष धनंजय श्रीवास्तव को निर्देशित किया गया है कि वे 12 जनवरी 2026 तक पन्ना जिला कार्यकारिणी का गठन पूर्ण करें, ताकि संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके।

9वें राष्ट्रीय पोषण माह का भव्य आगाज आज से

नवभारत न्यूज

पन्ना 08 सिंतबर। कुपोषण उन्मूलन और बेहतर स्वास्थ्य का संदेश लेकर आ रहा 9वां राष्ट्रीय पोषण माह 09 सितंबर से जिले भर में धूमधाम के साथ शुरू होने जा रहा है।

इस राष्ट्रव्यापी अभियान को एक विशाल जन-आंदोलन का रूप देने के लिए पन्ना जिले में व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अवधेश सिंह के दिशा-निर्देशन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव और गली-गली पहुंचकर जनजागरूकता का एक अनोखा माहौल तैयार किया है। अभियान

के भव्य शुभारंभ से पूर्व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक अंदाज में घर-घर भ्रमण कर हितग्राहियों को आमंत्रित किया। गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और छोटे बच्चों के अभिभावकों को विशेष रूप से चावल की भेंट देकर पोषण माह की गतिविधियों में शामिल होने का न्योता दिया गया। इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को इस स्वास्थ्य क्रांति से सीधे जोड़ना और कार्यक्रम में उनकी शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करना है। केवल व्यक्तिगत आमंत्रण ही नहीं, बल्कि आमजन को जागरूक करने के लिए सार्वजनिक स्थलों पर आकर्षक दीवार लेखन भी किया गया है। हम सबका है एक ही नारा, पोषण है अधिकार हमारा और जन-जन का यह नारा है, पोषण को जन आंदोलन बनाना है, जैसे प्रेरक नारों ने पन्ना की दीवारों को जीवंत बना दिया है। ये संदेश हर नागरिक को यह एहसास करा रहे हैं कि पोषण केवल एक शासकीय योजना नहीं, बल्कि समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। 09 सितंबर से शुरू हो रहे इस 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान माह भर विभिन्न स्वास्थ्यवर्धक और जागरूकता से भरपूर गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

अजयगढ़ तहसील में उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू

रिटर्निंग आफिसर ने दिया प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 08 सिंतबर। पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील में जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत उपचुनाव 2026 (पूर्वार्द्ध) के लिए चुनावी प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। इसके तहत जनपद पंचायत अजयगढ़ के वार्ड क्रमांक 9 के जनपद सदस्य और ग्राम पंचायत जिगनी के सरपंच पद हेतु उप-निर्वाचन संपन्न कराया जा रहा है।

चुनाव तैयारियों के सिलसिले में बीते कल रिटर्निंग ऑफिसर सुरेंद्र कुमार द्वारा तहसील कार्यालय में गूगल मीट के जरिए अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया था। निर्वाचन की समय-सारणी के अनुसार आज 8 सितंबर से अभ्यर्थियों को नामांकन पत्र मिलना शुरू हो चुके हैं, जिन्हें 15 सितंबर तक प्राप्त और जमा किया जा सकेगा। इसके बाद 16 सितंबर को जमा किए गए नामांकन पत्रों की जांच होगी और 18 सितंबर तक अभ्यर्थी अपना नाम वापस ले सकेंगे। दोनों पदों के लिए 29 सितंबर को मतदान कराया जाएगा, जबकि 3 अक्टूबर को मतगणना के साथ ही चुनाव परिणामों की घोषणा की जाएगी। रिटर्निंग ऑफिसर सुरेंद्र कुमार ने बताया कि चुनाव को पूरी तरह से शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अभ्यर्थी कार्यालयीन समय में तहसील परिसर स्थित निर्वाचन केंद्र पहुँचकर अपने फॉर्म प्राप्त और दाखिल कर सकते हैं। वहीं, सुरक्षा एवं व्यवस्था के दृष्टिगत एसडीएम आलोक मार्को ने रिटर्निंग ऑफिसर की अनुसंशा पर तहसील परिसर सहित संबंधित जनपद सदस्य क्षेत्र और जिगनी ग्राम पंचायत क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 तत्काल प्रभाव से लागू कर दी है।

ओव्हर लोड ट्रेलर एवं हाइवा वाहनों से सड़के हुई चकनाचूर

सकरिया गुनौर मार्ग का मेंटनेंस जारी

नवभारत न्यूज

पन्ना 08 सिंतबर। पन्ना जिले में ओव्हरलोड वाहनों ने सड़कों को चकनाचूर कर दिया है। विशेषकर खनिज लोड कर टोल टेक्स से बचने के लिये सकरिया वाया ककरहटी होते हुये गुनौर निकलते है जो अधिकांशत: पत्थर रेत, गिट्टी ओव्हर लोडेड एवं औद्यौगिक संस्थानों के वाहन शामिल है।

जिस कारण सकरिया से गुनौर तक कई जगह सड़क उखड गई है, जिस पर लोकनिर्माण विभाग के निर्देश पर सकरिया से गुनौर मार्ग का निर्माण ऐजेंसी द्वारा गुणवत्तापूर्ण मेंटिनेंस का कार्य तेज गति से चल रहा है। सड़को के जर्जर होने की प्रमुख समस्या ओव्हर लोडेड वाहनों पर कार्यवाही न होना है। यदि यही हाल रहा तो जिले की कोई सड़के चलने लायक नही बचेंगी। सर्वाधिक ओव्हर लोडेड वाहन औद्योगिक संस्थाओं का रॉ मटेरियल लेकर चलने वाले तथा निर्माण सामग्री के भारी भरकम ट्रेलर, डम्पर तथा हाइवा शामिल है, जिन पर परिवहन एवं पुलिस विभाग कोई कार्यवाही नही कर रहा। हांलाकि लोकनिर्माण विभाग के निर्देश पर निर्माण ऐजेंसी द्वारा ओव्हर लोड वाहनों से उखड़ी सड़क का कार्य शीघ्र पूरा होगा जिससे सुगम यातायात संभव हो सकेगा।

अतिक्रमण को रोकने में नाकाम हो रहा प्रशासन

नवभारत न्यूज

पन्ना 08 सिंतबर। पन्ना जिला में विशेषकर तहसीलों एवं जिला मुख्यालय में चाहे आम रास्ता हो या बाजार या सार्वजनिक तालाब हों सभी जगह अतिक्रमण के चलते बहुत विषम परिस्थितियां निर्मित हो गयी हैं यह केवल जिला मुख्यालय पन्ना मात्र. में समस्या नही है बल्कि समूचे तहसील मुख्यालयों एवं कस्बाई इलाकों की है।

बाजार सहित पूरे क्षेत्र में अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। चाहे सार्वजनिक जगह हो, आम रास्ता हो, सड़क की पटरी हो या कार्यालयों के आसपास पड़ी जगह हो या तालाब सभी जगहों में बेहिचक लोग अतिक्रमण कर रहे हैं। इन लोगों को प्रशासन की कार्यवाही की परवाह नहीं है। बाजार में जहां लोगों की दुकानें सड़क पर आ रही हैं।

वहीं कई लोगों ने बाउंड्री वाल बनाकर सड़क पर कब्जा किया है तो कई मकान बनाकर नालियों पर अतिक्रमण किये हुये हैं कईयों के मवेशी सड़के किनारे बांध दिये जाते हैं, कईयों के वाहन तो ऐसे खड़े रहते हैं कि सड़क उनकी जमीन पर हो। जिससे लोगों को आने जाने एवं वाहन निकालने में काफि कठिनाई होती हैं। इतना ही नहीं आए दिन एक्सीडेंट होना बात हो गई हैं।

तालाबों को नहीं बख्शा

पन्ना जिला मुख्यालय में जहां लगभग एक दर्जन एतिहासिक तालाब हैं जो आज आधे भी अतिक्रमण के चलते नही बचे। तों वही बाजार की तर्ज पर गांवों में भी लोग श्मसान घाट हो या तालाब या अन्य शासकीय जगह लो छोड़ने को तैयार नहीं है। लम्बे अर्से पहले बने इन तालाबों का अस्तित्व समाप्त होता जा रहा है। रियासत के पूर्व राजाओं ने आम जनमानस की सुविधा के लिये इन तालाबों निर्माण कराया था। लेकिन धीरे धीरे सब जगहों में पानी की जगह पक्के घर बन गये हैं। पन्ना में धरमसागर तालाब, लोकपाल सागर तालाब, दहलान तालाब, पथरिया तालाब, महाराज सागर तालाब जैसे शहर के तालाबों में अतिक्रमण कर लिया गया है।

पुलिस की तत्परता से घर से निकलीं तीन नाबालिग बच्चियां दमोह से सकुशल बरामद

नवभारत न्यूज

पन्ना 08 सिंतबर। थाना शाहनगर क्षेत्र से घर से बिना बताए निकलीं तीन नाबालिग बच्चियों को शाहनगर पुलिस ने त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई करते हुए दमोह से सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चियों की तलाश में तकनीकी साक्ष्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 06 सितंबर को थाना शाहनगर क्षेत्र के ग्राम खरमोरा से तीन नाबालिग बच्चियों के घर से बाहर जाने के बाद वापस नहीं लौटने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। परिजनों ने बताया कि बच्चियां घर से कपड़े लेने के लिए जाने की बात कहकर निकली थीं, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी वापस नहीं लौटीं। चिंतित परिजनों द्वारा थाना शाहनगर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी गई। तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के दौरान सीसीटीव्ही कैमरों व अन्य तकनीकी साक्ष्य की मदद से पता लगा कि बच्चियां दमोह रेलवे स्टेशन पर मौजूद है तत्काल दमोह पुलिस से संपर्क स्थापित कर बच्चियों की फोटो एवं आवश्यक जानकारी साझा की गई।

टाइल्स व्यापारी से मारपीट करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना 08 सिंतबर। कस्बे में शांति व्यवस्था भंग करने और खुलेआम गुंडागर्दी करने वाले असामाजिक तत्वों पर पन्ना पुलिस ने शिकंजा कस दिया है।

दुकान में घुसकर टाइल्स व्यापारी पर जानलेवा हमला करने और क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले 06 आरोपियों के खिलाफ देवेंद्रनगर थाना पुलिस ने त्वरित एवं सख्त वैधानिक कार्रवाई की है। घटना 05 सितंबर की दोपहर करीब डेढ़ बजे की है, जब पीड़ित जीतेन्द्र उर्फजित्तू कुशवाहा अपनी दुकान पर बैठा

हुआ था। इसी दौरान बड़ौरा निवासी रोनी उर्फ पुष्पेन्द्र पटेल अपने 05 अन्य साथियों के साथ दुकान में घुसा और अकारण ही गाली-गलौज करने लगा। बात यहीं नहीं रुकी, आरोपियों ने दुकान में रखी टाइल्स उठाकर पीड़ित के सिर पर मार दी और लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट की। जाते-जाते आरोपियों ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। इस अचानक हुए हमले में व्यापारी के सिर, हाथ और छाती में गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित की शिकायत मिलते ही पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में थाना प्रभारी देवेंद्रनगर उप निरीक्षक संतोष सिंह यादव की टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में शामिल सभी छह आरोपियों बड़ौरा निवासी पुष्पेंद्र उर्फरोनी पटेल उम्र 23 वर्ष, अर्पित उर्फछोटू पटेल उम्र 23 वर्ष, धीरेन्द्र पटेल उम्र 24 वर्ष, अमरजीत उर्फछोटू पटेल उम्र 25 वर्ष, देशराज पटेल उम्र 28 वर्ष और दीपू पटेल उम्र 25 वर्ष के खिलाफ नामजद आपराधिक मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। मामले में देवेंद्रनगर पुलिस ने कड़ा संदेश देते हुए स्पष्ट किया है कि क्षेत्र की शांति और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी असामाजिक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा। आमजन में भय का माहौल बनाने या कानून हाथ में लेने वालों पर पुलिस की ऐसी ही सख्त और प्रभावी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।